नईदुनिया

# गणेशोत्सव में सोने-चांदी की बंपर बिक्री, महंगाई भी बेअसर

मुंबई

**इस साल गणेशोत्सव ने देश के ज्वैलरी बाजार में एक अनोखी चमक बिखेर दी है। शादी-विवाह या अन्य पारंपरिक त्योहारों से हटकर, गणपति बप्पा के स्वागत और उनकी प्रतिमाओं को सजाने के लिए सोने-चांदी के आभूषणों की जोरदार मांग देखी जा रही है।**

उद्योग अनुमानों के मुताबिक, अकेले मुंबई में इस गणेशोत्सव के दौरान 200 टन से अधिक सोने की बिक्री हो सकती है, जबकि देशभर में यह आंकड़ा 4,000 करोड़ रुपए के कारोबार तक पहुंचने का अनुमान है। गणेशोत्सव शुरू होने से लगभग पांच दिन पहले ही ज्वैलरी बाजार में

**4000 करोड़ के कारोबार का अनुमान, मुंबई में 200 टन सोना बिकने की उम्मीद**

यह विशेष रौनक शुरू हो गई थी। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार गणेश चतुर्थी तक करीब 4,000 करोड़ रुपये के कारोबार की उम्मीद है। घरों में स्थापित होने वाली गणेश प्रतिमाओं के लिए छोटे-बड़े आभूषणों की खरीदारी जोरों पर है। जावेरी बाजार के ज्वैलर्स गणपति बप्पा के लिए गणेश पादुका, नेकलेस, मोदक, चूहे, जासवंती के फूल, चेन, कान की बालियां और बाजूबंद जैसे खास गहने तैयार कर रहे हैं। इस बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए कारीगर दिन-रात काम कर रहे हैं, क्योंकि गणेश को मन्नतों का देवता माना जाता है और कई भक्त मन्नतें पूरी होने पर बड़े उत्साह से खरीदारी कर रहे हैं। मुंबई सर्राफा बाजार में हर दिन 200 से 225 करोड़ रुपये के गहने बिक रहे हैं। आभूषण कारोबारियों का कहना है कि सोने की बढ़ती कीमतों का खरीद पर कोई खास असर नहीं पड़ा है। पिछले साल के मुकाबले इस बार सोने के दाम लगभग 40 फीसदी ज्यादा होने के बावजूद, ज्वैलरी की मांग दोगुनी हो गई है। भक्ति और आस्था के आगे महंगाई फीकी पड़ गई है। ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, सिर्फ बप्पा की ज्वैलरी की मांग के चलते गणेशोत्सव के दौरान मुंबई सर्राफा बाजार में 200 टन से ज्यादा सोना बिकने की उम्मीद है। सोने के साथ-साथ चांदी के बाजार में भी जबरदस्त रौनक है। चांदी के मोदक और चूहे की सबसे ज्यादा मांग है, जिसमें 50 ग्राम से लेकर सवा किलो तक के चूहे शामिल हैं। इसके अलावा मुकुट, कंठहार, कड़े और पादुकाएं भी खूब खरीदी जा रही हैं। गणेश पंडालों के लिए जहां प्रतिमा के आकार के अनुसार कई गुना बड़े और आकर्षक आभूषण बनाए जा रहे हैं, वहीं घरों के लिए मौजूदा रुझानों के हिसाब से आभूषणों की बिक्री हो रही है।

## न्यूज ब्रीफ

### ओडिशा में लघु जलविद्युत परियोजनाओं के लिए 185 स्थल किए चिन्हित, उपमुख्यमंत्री बोले- पर्यावरण और विकास दोनों के लिए लाभकारी

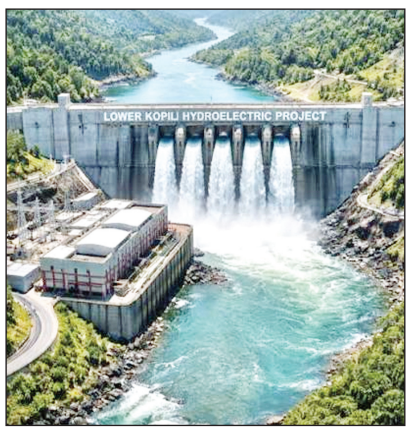


**भुवनेश्वर।** ओडिशा सरकार ने राज्य में लघु जलविद्युत परियोजनाओं को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विशाल कुमार देव ने बताया कि राज्य में ऐसे 185 स्थलों की पहचान की गई है, जहां कुल 260 मेगावाट बिजली उत्पादन की क्षमता विकसित की जा सकती है। देव ने लघु जलविद्युत विकास पर आयोजित एक संवाद के दौरान कहा कि देश के कुल सतही जल संसाधनों का लगभग 11 प्रतिशत ओडिशा में होने के कारण लघु जलविद्युत उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने जोर दिया कि राज्य में बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं के साथ अब छोटे पैमाने की परियोजनाओं पर भी ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। शुरुआत में चिन्हित किए गए 185 स्थलों पर 260 मेगावाट क्षमता विकसित की जा सकती है, और भविष्य में यह क्षमता बढ़ भी सकती है। उपमुख्यमंत्री के.वी. सिंह देव ने सत्र का उद्घाटन करते हुए कहा कि लघु जलविद्युत परियोजनाएं पर्यावरण और विकास दोनों के लिए लाभकारी हैं। इन परियोजनाओं में मौजूदा सिंचाई नहरों और जल प्रवाह का इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे बड़े पैमाने पर भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता नहीं होती। इस संवाद में नीति-निर्माताओं और विशेषज्ञों ने नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) की 2026-31 की लघु जलविद्युत विकास योजना के क्रियान्वयन में तेजी लाने पर चर्चा की।

### यूपी में मुफ्त तोरिया बीज योजना शुरू, किसान ऐसे करें बुकिंग, जानें आवेदन प्रक्रिया और महत्वपूर्ण दिशानिर्देश

**नई दिल्ली।** उत्तर प्रदेश सरकार ने किसानों को तोरिया की खेती के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक नई योजना शुरू की है। इसके तहत किसानों को तोरिया के मुफ्त बीज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। यह पहल राज्य में तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देने और किसानों को बीज खरीद के खर्च से राहत दिलाने के लिए की गई है। इच्छुक किसान निर्धारित प्रक्रिया का पालन कर योजना का लाभ उठा सकते हैं। तोरिया एक महत्वपूर्ण तिलहनी फसल है, जो कम समय में तैयार होती है और बाजार में इसकी अच्छी मांग रहती है। सरकार अच्छी गुणवत्ता वाले मुफ्त बीज उपलब्ध कराकर किसानों को बीज खरीदने के खर्च से राहत दे रही है, साथ ही राज्य में तिलहन उत्पादन को बढ़ावा दे रही है, जिससे किसानों को बेहतर उपज की उम्मीद है।

### सिट्रोएन इंडिया ने पेश किए एयरक्रासएक्स और बेसाल्टएक्स के नए वेरिएंट

**नई दिल्ली।** भारतीय बाजार में अपनी कारों की रेंज का विस्तार करते हुए सिट्रोएन इंडिया ने एयरक्रासएक्स और बेसाल्टएक्स के नए वेरिएंट पेश किए हैं। कंपनी ने इन माडलों में टर्बो और नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन के साथ फैक्ट्री-फिटेड सीएनजी का विकल्प भी दिया है। इसके अलावा इलेक्ट्रिक कार ई-सी3एक्स एक्सटेंडेड को ज्यादा ड्राइविंग रेंज के साथ बाजार में उतारा गया है। कंपनी का कहना है कि नए विकल्पों से पेट्रोल, सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने वाले ग्राहकों को अधिक विकल्प मिलेंगे। एयरक्रासएक्स में नया यू टर्बो कम्फर्ट एडिशन पेश किया गया है, जिसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 10.69 लाख रुपये है। इसके जरिए ग्राहक अपेक्षाकृत कम कीमत में टर्बो इंजन वाली एसयूवी खरीद सकेंगे। एयरक्रासएक्स के मैक्स नैचुरली एस्पिरेटेड वेरिएंट की कीमत 11.62 लाख रुपये है और इसमें सीएनजी का विकल्प भी उपलब्ध है। बेसाल्टएक्स का यू टर्बो वेरिएंट 9.99 लाख रुपये की शुरुआती कीमत पर आएगा, जबकि मैक्स नैचुरली एस्पिरेटेड वेरिएंट की कीमत 11.34 लाख रुपये रखी गई है।

# बीता सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा

**बाजार में उथल-पुथल जारी रही, सेंसेक्स-निफ्टी लगातार दबाव में, निवेशकों को लगा बड़ा झटका**

मुंबई

बीता सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा, जहां प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में भारी गिरावट दर्ज की गई। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक संघर्ष, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, और अमेरिकी ब्याज दरों को लेकर चिंताओं ने निवेशकों की धारणा को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया, जिससे बाजार में व्यापक बिकवाली का दबाव देखा गया। सप्ताह की शुरुआत से ही बाजार पर वैश्विक तनाव का साया मंडरा रहा था। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्षों के कारण ब्रेंट क्रूड आयल 100 डालर प्रति बैरल के निशान को पार करने की आशंका बढ़ गई, जिसने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी। इसके अतिरिक्त, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा संभावित ब्याज दर वृद्धि की आशंका और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने भी बाजार को कमजोर किया। वैश्विक बाजारों में कमजोर रुझान का असर भारतीय सूचकांकों पर साफ दिखाई दिया। सप्ताह के शुरुआती तीन दिन (सोमवार, मंगलवार और बुधवार) बाजार के लिए बेहद खराब रहे। सोमवार को सेंसेक्स 382 अंक और निफ्टी 118 अंक गिरकर बंद हुए। मंगलवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट जारी रही, जहां सेंसेक्स 555 अंक लुढ़का और निफ्टी 23,700 के नीचे आ गया। बुधवार को बाजार में सबसे बड़ी गिरावट देखी गई, जब सेंसेक्स 813 अंक टूटकर 74,764.23 पर और निफ्टी 203 अंक गिरकर 23,431.50 पर बंद हुआ। गुरुवार को बाजार में मामूली सुधार दिखा, सेंसेक्स 138 अंक और निफ्टी 46 अंक की बढ़त के साथ बंद हुए, लेकिन यह राहत अल्पकालिक रही। शुक्रवार को एक बार फिर बाजार में गिरावट लौटी, हालांकि यह शुरुआती भारी गिरावट से कुछ उबरकर बंद हुए, फिर भी सेंसेक्स 120 अंक और निफ्टी 79 अंक के नुकसान के साथ सप्ताह का अंत किया। सप्ताह के दौरान धातु, सूचना प्रौद्योगिकी, तेल-गैस, वित्तीय सेवाएँ और रियल्टी जैसे क्षेत्रों में भारी बिकवाली देखी गई। अधिकांश क्षेत्रीय सूचकांक लाल निशान में कारोबार कर रहे थे, जो बाजार में व्यापक कमजोरी को दर्शाता है। हालांकि, गुरुवार को पीएसयू बैंक और एनर्जी जैसे कुछ क्षेत्रों में चुनिंदा खरीदारी का रुझान देखा गया, लेकिन बाजार में अनिश्चितता और निवेशकों की सावधानी बनी रही। भारतीय रुपया भी अमेरिकी डालर के मुकाबले कमजोर होकर बंद हुआ, जो बाजार के नकारात्मक संकेतों को और पुष्ट करता है। कुल मिलाकर, यह सप्ताह निवेशकों के लिए उतार-चढ़ाव भरा और नुकसानदेह साबित हुआ।

# एसबीआई छोटे व्यवसायों की ऋण पात्रता आंकने यूपीआई आंकड़ों का करेगा इस्तेमाल

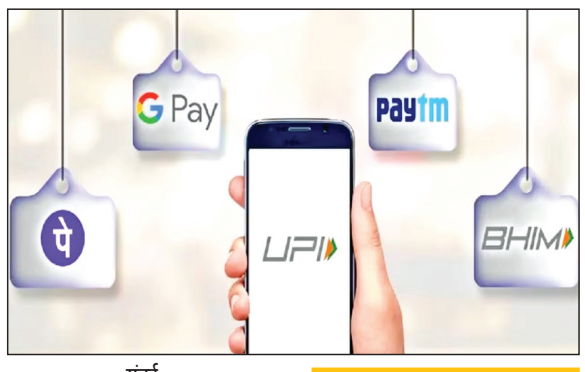


मुंबई

सार्वजनिक क्षेत्र का भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) जीएसटी पंजीकरण नहीं रखने वाले छोटी इकाइयों की ऋण पात्रता का आकलन करने के लिए यूपीआई लेनदेन के आंकड़ों का इस्तेमाल करने की व्यवस्था विकसित कर रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

एसबीआई के एक अधिकारी ने यहां आयोजित वैश्विक फिनटेक सम्मेलन में कहा कि यदि किसी कारोबार में नियमित बिक्री हो रही है तो यूपीआई लेनदेन को जीएसटी के विकल्प के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हम जीएसटी न रखने वाले कारोबारियों के लिए एक यूपीआई समाधान विकसित कर रहे हैं और यूपीआई लेनदेन को बिक्री के संकेतक के रूप में इस्तेमाल करेंगे।

तिवारी ने कहा कि जीएसटी के तहत पंजीकृत कारोबारियों को ऋण देने की चुनौती का बैंक समाधान कर चुका है और ऐसे मामलों में 10 मिनट के भीतर ऋण देने की स्थिति में है। पिछले 18 महीनों में बैंक ने जीएसटी और पैन के आंकड़ों का इस्तेमाल कर एक लाख करोड़ रुपये के ऋण दिए हैं। हालांकि, जीएसटी नंबर नहीं

**पिछले 18 महीनों में बैंक ने जीएसटी और पैन के आंकड़ों का इस्तेमाल कर एक लाख करोड़ के ऋण दिए**

रखने वाले कारोबारियों के मामले में कठिनाइयां हैं और ऐसे में वैकल्पिक आंकड़े महत्वपूर्ण हो जाते हैं। यूपीआई भुगतान से जुड़े मुद्दे पर तिवारी ने कहा कि कर्ज देने वाले बैंक के पास हमेशा यह स्पष्ट जानकारी नहीं होती कि पैसा कहां जा रहा है। हालांकि, प्राप्तकर्ता बैंक और लेनदेन में मदद करने वाले तीसरे पक्ष के भुगतान ऐप के पास यह जानकारी होती है।

उन्होंने कहा कि ग्राहक की सहमति से बैंक यूपीआई भुगतान और दूरसंचार कंपनियों से मिलने वाले आंकड़ों जैसे अन्य स्रोतों का इस्तेमाल करने वाले माडल के जरिये ऋण पात्रता का आकलन कर सकता है। एसबीआई को उम्मीद है कि नए आंकड़ों के आधार पर छोटे कारोबारियों को ऋण उपलब्ध कराया जा सकेगा।

### ड्राईडाक्स वर्ल्ड, कोचीन शिपयार्ड ने संयुक्त उद्यम का किया गठन

**नई दिल्ली।** डीपी वर्ल्ड समूह की कंपनी ड्राईडाक्स वर्ल्ड और कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) ने कोचीन जहाज मरम्मत सुविधा के संचालन और विस्तार के लिए एक संयुक्त उद्यम (जेवी) समझौते पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की। डीपी वर्ल्ड ने एक बयान में कहा कि यह 50:50 की साझेदारी वाला संयुक्त उद्यम कोचीन स्थित इंटरनेशनल शिप रिपेयर फैसिलिटी (आईएसआरएफ) का संचालन और विस्तार करेगा, जिससे भारत का जहाज मरम्मत परिवेश मजबूत होगा तथा बढ़ती क्षेत्रीय और वैश्विक मांग पूरी होगी। पोत परिवहन मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि ड्राईडाक्स वर्ल्ड और सीएसएल दोनों इस परियोजना में 900-900 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। इस समझौते पर ड्राईडाक्स वर्ल्ड के सीईओ कैप्टन राडो एंटोलोविक (पीएचडी) और कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक जोस वीजे ने नयी दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2026 के मौके पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल तथा यूएई के उन्नत विज्ञान और प्रौद्योगिकी मामलों के सहायक विदेश मंत्री इमरान शराफ अलहाशिमी उपस्थित थे।

# जिक्सर सीरीज को सुजुकी कंपनी ने किया अपडेट

नई दिल्ली

अपनी लोकप्रिय जिक्सर सीरीज को सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने नए रंग विकल्पों के साथ अपडेट किया है। सुजुकी की इस रेंज में जिक्सर, जिक्सर एसएफ, जिक्सर 250, जिक्सर एसएफ 250 और जिक्सर एसएफ 250 एफएफवी माडल शामिल हैं। नए रंगों के जरिए कंपनी ने मोटरसाइकिलों के लुक को और आकर्षक बनाने की कोशिश की है। इनमें स्पोर्टी डिजाइन के साथ आधुनिक तकनीक और रोजमर्रा के इस्तेमाल की सुविधाओं पर भी जोर दिया गया है। जिक्सर और जिक्सर एसएफ के लिए मेटैलिक ऊर्ट ग्रे और पर्ल ब्लेज आरेंज का नया डुअल-टोन रंग पेश किया गया है। वहीं जिक्सर 250, जिक्सर एसएफ 250 और जिक्सर एसएफ 250 एफएफवी में ग्लास स्पार्कल ब्लैक और मेटैलिक ऊर्ट ग्रे का नया विकल्प जोड़ा गया है। जिक्सर एसएफ 250 एफएफवी को ग्लास स्पार्कल ब्लैक रंग में भी उपलब्ध कराया गया है। कंपनी के सेल्स एंड मार्केटिंग के वाइस प्रेसिडेंट दीपक मुतरेजा ने कहा कि जिक्सर सीरीज ने अपनी स्पोर्टी स्टाइलिंग और राइडिंग अनुभव के कारण अलग पहचान बनाई है। नए रंग ग्राहकों को अपनी पसंद और व्यक्तित्व के अनुरूप मोटरसाइकिल चुनने के अधिक विकल्प देंगे। जिक्सर 250 और जिक्सर एसएफ 250 में 250 सीसी का इंजन और सुजुकी आयल कूलिंग सिस्टम दिया गया है। यह इंजन 26.5 पीएस पावर और 22.2 एनएम टार्क देता है तथा छह-स्पीड ट्रांसमिशन और डुअल-चैनल एबीएस से लैस है। जिक्सर एसएफ 250 एफएफवी फ्लेक्स-फ्यूल माडल है, जो 85 प्रतिशत तक इथेनाल मिश्रित ईंधन पर चलने के लिए तैयार किया गया है और 27.9 पीएस पावर तथा 22.5 एनएम टार्क देता है। जिक्सर और जिक्सर एसएफ में ओबीडी-2बी मानकों वाला 155 सीसी, सिंगल-सिलेंडर इंजन दिया गया है, जो 13.6 पीएस की पावर और 13.8 एनएम का टार्क पैदा करता है।

# इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल बाजार तेजी से हो रहा विस्तार

नई दिल्ली

**देश में वर्ष 2026 के पहले आठ महीनों में जनवरी से अगस्त के बीच इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल की खुदरा बिक्री 2,18,716 यूनिट तक पहुंच गई। बिक्री के यह आंकडे बना रहे हैं कि भारत में इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर यानी इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल बाजार तेजी से विस्तार कर रहा है।**

पिछले वर्ष इसी अवधि में 1,21,322 यूनिट की बिक्री हुई थी। इस तरह सालाना आधार पर बिक्री में करीब 80 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। मौजूदा रफ्तार को देखते हुए कैलेंडर वर्ष 2026 में इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल की कुल खुदरा बिक्री करीब 3.50 लाख यूनिट तक पहुंचने का अनुमान है। इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग देश के अधिकांश हिस्सों में बढ़ी है। राज्य में जनवरी से अगस्त के दौरान 31,184 यूनिट बिकीं, जबकि 2025 की समान अवधि में यह आंकड़ा 20,564 यूनिट था।

इस तरह महाराष्ट्र में 52 प्रतिशत की वृद्धि हुई। तेलंगाना 21,537 यूनिट की बिक्री के साथ दूसरे स्थान पर रहा और यहां 100 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। कर्नाटक में 20,440 यूनिट बिकीं, जो पिछले वर्ष के मुकाबले 56 प्रतिशत अधिक हैं। दिल्ली में 19,875 यूनिट की बिक्री के साथ 120 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। तमिलनाडु में 17,985 और केरल में 17,638 यूनिट बिकीं। गुजरात में 15,608 यूनिट के साथ बिक्री 139 प्रतिशत बढ़ी, जबकि राजस्थान में 15,423 यूनिट की बिक्री और 134 प्रतिशत वृद्धि दर्ज हुई। उत्तर प्रदेश में 14,330 यूनिट बिकीं, जो 74 प्रतिशत अधिक हैं। आंध्र प्रदेश में 7,274 यूनिट की बिक्री के साथ 154 प्रतिशत, ओडिशा में 5,862 यूनिट के साथ 133 प्रतिशत और पंजाब में 4,812 यूनिट के साथ 103 प्रतिशत वृद्धि हुई।

हालांकि हरियाणा में बिक्री 49 प्रतिशत घटकर 1,929 यूनिट रह गई। छोटे बाजारों में भी तेजी रही। चंडीगढ़ में 177 प्रतिशत, उत्तराखंड में 142 प्रतिशत, बिहार में 120 प्रतिशत और जम्मू-कश्मीर में 128 प्रतिशत वृद्धि दर्ज हुई। नगालैंड और लद्दाख में भी बिक्री वृद्धि क्रमश: 225 और 300 प्रतिशत रही। । भारत के 28 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों में इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल की स्वीकार्यता में तेजी देखने को मिली है। हरियाणा को छोड़कर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बिक्री में वृद्धि दर्ज की गई। महाराष्ट्र इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री के मामले में देश में पहले स्थान पर रहा।